



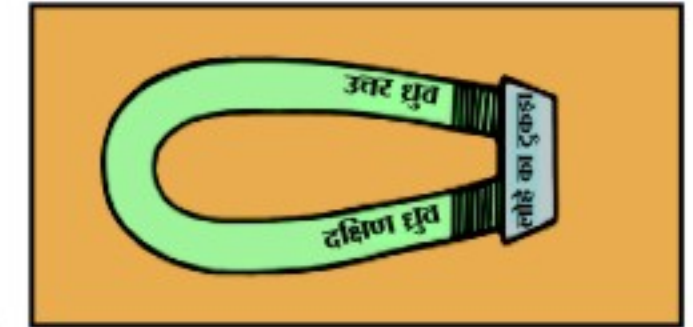
डाक्टर चींचू के चमत्कार



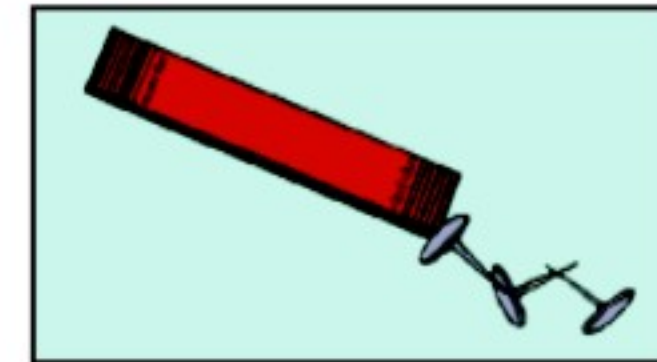
आविद सुरती



लोहे या फीलाद से बना हुआ चुम्बक घोड़े की नाल के आकार का होता है। यह अन्य लोहे के टुकड़े या फीलाद को आकर्षित करने की शक्ति रखता है। इस चुम्बक के सिरों को **उत्तर ध्रुव** और **दक्षिण ध्रुव** कहा जाता है।



जब कोई चुम्बक लोहे को छूता है, तब उस लोहे में भी चुम्बक के कुछ तत्व आ जाते हैं और वह लोहा भी दूसरे छोटे-छोटे लोहे के टुकड़ों को खींचने लगता है।



यह तो उस चुम्बक की बात हुई जो लोहे को खींचता है। लेकिन तुम्हारा चुम्बक तो इन्सानों को भी खींच लाता है।



वैसी कोई बात नहीं, डॉक्टर चाचा। यह चुम्बक सिर्फ लालू को खींच सकता है और इसे कहते हैं, लॉलीपॉप। देखो, देखो, इस चुम्बक की शक्ति से तो लालू की आधी जान निकली जा रही है।



लेकिन मेरी तो पूरी। इसी कारण मैं भी खिंचा चला आ रहा हूँ।

